प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)
राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट की उपलब्धियों पर गोष्ठी

पंतनगर। 06 जनवरी 2022। विश्वविद्यालय में आज राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट के तत्वाधान में कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय एवं शोध निदेशालय द्वारा 'राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट की उपलब्धियों' विषय पर एक बेविनार (गोष्ठी) का आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी का आयोजन निदेशक शोध, डा. अजित सिंह नैन एवं अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, डा. आर.एस. जादौन, द्वारा संयुक्त रूप से इस उद्देश्य के साथ किया गया कि एशिया महाद्वीप के सबसे बड़े एवं भारत के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय में कृषि के क्षेत्र में किये जा रहे विभिन्न अनुसंधानों को डिवाइन वाइब्रेशन के साथ जोड़े जाने पर होने वाले प्रभाव, प्रक्रियाओं एवं परिणामों पर अनुसंधान किया जा सके।

गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में रिटायर्ड प्रोफेसर पालमपुर विश्वविद्यालय, प्रोफेसर वीरेन्द्र सिंह, ने राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट की प्रगति एवं उपलब्धियों एक प्रजेनटेशन दिया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में सहज योग के माध्यम से असाध्य रोगों का इलाज सहज हास्पिटल मुम्बई एवं ग्रेटर नोएडा में किया जा रहा है। इस चिकित्सा पद्धति को इंडियन मेडिकल एसोशिएसन एवं भारतीय कृषि अनुसंधान, नई दिल्ली द्वारा अनुशंसित किया जा चुका है। सहज कृषि के माध्यम से बीजों, फसलों, दुधारू पशुओं को डिवाइन वाईब्रेशन के माध्यम से उन्नत किया जा रहा है जिससे फसलों की पैदावार प्राकृतिक रूप से बढ़ायी जा रही है एवं डिवाईन वाईब्रेटेड दुधारू पशुओं से उच्च गुणवत्तायुक्त अधिक दूध प्राप्त किया जा रहा एवं पशुओं के स्वास्थ्य में भी वृद्धि देखी गयी है। नेशनल रीजनल सेन्टर, ओजी, राजगुरूनगर पुणे महाराष्ट्र में सहज योग के माध्यम से की जा रही सहज कृषि द्वारा प्याज और अदरक की उपज में 20 प्रतिशत, अंगूर में 33.2 प्रतिशत, मूंग में 42.9 प्रतिशत तक पैदावार बढ़ाई जा रही है। सहज कृषि कीट नियंत्रण एवं जंगली जानवरों से बचाव में काफी प्रभावकारी है।

अपने व्याख्यान के अंतिम पड़ाव में श्री सिंह ने सहज कृषि की विधियों को समझाया जिससे किसानों को लाभान्वित किया जा सके। राष्ट्रीय सहज कृषि प्रोजेक्ट के निदेशक, डा. जी.डी. पारेख एवं जे.एन.यू. के सेवानिवृत्त प्राध्यापक, डा. नरेन्द्र कुमार शर्मा ने सहज कृषि को अत्यधिक विस्तार से समझाया। डा. अनिल कुमार प्रतिहार, श्री मयंक गुप्ता, डा. आनंद कुमार श्रीवास्तव, डा. चेतना बजाज, डा. अनिल गुप्ता आदि प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों को साझा किया।

विश्वविद्यालय के निदेशक, शोध डा. अजित सिंह नैन, द्वारा विश्वविद्यालय में सहज कृषि को अपनाये जाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का आह्वान किया एवं शीघ्र ही इस संबंध में अनुसंधान केंद्रों पर ट्रायल किये जाने का आश्वासन भी दिया।

कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता, कृशि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, प्रोफेसर आर.एस. जादौन, द्वारा किया गया तथा धन्यवाद प्रस्ताव डा. एच.आर. जायसवाल द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में देश के विभिन्न संस्थानों से लगभग 50 वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।